

डॉ. ब्रूस वाल्टके, भजन, व्याख्यान 8

© 2024 ब्रूस वाल्टके और टेड हिल्डेब्रांट

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 8 है, भजन, धर्मशास्त्र, हेसेड, सृजन, राजत्व और मंदिर।

और हम एक भजन के रूप पर विचार कर रहे हैं जिसे भजन कहा जाता है। हमने इसके रूपांकनों पर ध्यान दिया और इसके रूपांकन प्रशंसा के लिए एक परिचयात्मक आह्वान हैं। मैं कहता हूं आग जलाने के लिए यही माचिस है। तब हमारे पास प्रशंसा का कारण है, और वह ईंधन है जो आग को सुसज्जित करता है।

तब हमारे पास प्रशंसा के लिए नए सिरे से बुलावा आता है। मैं इन रूपांकनों पर विचार कर रहा हूं। इसलिए, हमने प्रशंसा के आह्वान पर विचार किया।

हमने उस संपूर्ण अनिवार्य मनोदशा पर विचार किया जो भगवान हमें उसकी स्तुति करने के लिए कह रहे थे। हम इसे कैसे समझें? क्योंकि हम किसी इंसान के साथ ऐसा कभी नहीं करेंगे। हम एक इंसान को हेय दृष्टि से देखेंगे।

हमने सुझाव दिया कि हम ऐसा कहें, क्योंकि यह उपयुक्त और सही है, और यदि हम ऐसा नहीं करते हैं तो हम मर चुके हैं। यह बिल्कुल उपयुक्त और उचित है। यह हमारी भलाई के लिए है।

जो प्रशंसनीय है उसकी प्रशंसा करना और उसकी प्रशंसा न करना स्वर-बधिर के समान है। मैंने कहा कि लुईस ने यही कहा है, सुनने के लिए नहीं। और फिर हमने इस पर विचार किया कि वास्तव में प्रशंसा कौन करता है।

यह सभी ईश्वर के लोग और राजनीतिक दल इत्यादि हैं। इससे पहले, हमने संगीत, ताली और गायन के साथ उत्साह पर विचार किया और यह गुनगुना नहीं था। यह उत्कट स्तुति है जो परमेश्वर को प्रसन्न करती है।

फिर प्रदर्शन, कौन करता है? और हमने यह कहकर अपनी बात समाप्त की, कि हमने जो एक बात कही है वह यह है कि वह पापियों से प्रशंसा नहीं चाहता है। यह उसके लिए घृणित है। और फिर भी मैं आज इसके बारे में बहुत कुछ सुनता हूं।

मुझे आशा है कि मैं निर्णयात्मक नहीं हो रहा हूँ। मेरा इरादा आलोचनात्मक होने का नहीं है। मैं बस वही कह रहा हूँ जो मैं अखबारों में देखता हूँ और क्या नहीं।

तब हम प्रशंसा का कारण देख रहे थे और हम प्रशंसा के धर्मशास्त्र में कूद पड़े। हमने नोट किया कि यह धर्मशास्त्र सीखने का एक अनोखा तरीका है। हम इसे डॉक्सोलॉजिकल संदर्भ में सीख रहे हैं, जो उचित है।

अर्थात्, हम इसे उन लोगों से सीख रहे हैं जो परमेश्वर की स्तुति कर रहे हैं। जैसे वे परमेश्वर की स्तुति कर रहे हैं, वे उसके व्यक्तित्व और उसके कार्यों का जश्र मना रहे हैं। परमेश्वर की स्तुति के लिए उनके शब्द परमेश्वर के वचन के रूप में हमारे पास वापस आ रहे हैं, हमें धर्मशास्त्र सिखा रहे हैं।

इसलिए हम ईश्वर के धर्मशास्त्र के बारे में उसके लोगों द्वारा ईश्वर की स्तुति के माध्यम से सीख रहे हैं, न कि किसी मूसा के माध्यम से, न किसी पैगंबर के माध्यम से, न किसी ऋषि के माध्यम से, बल्कि हम इसे ईश्वर के उन लोगों के माध्यम से सीख रहे हैं जो पवित्र और ईमानदार हैं। वे भगवान का जश्र मना रहे हैं और भगवान से कहे गए उनके शब्द हमारे लिए भगवान के शब्द बन जाते हैं। तो, वास्तव में, वे प्रशंसा के इन शब्दों में हमारे लिए भगवान के प्रेरित शब्द बन जाते हैं।

फिर हमने उसकी चर्चा की, और वहां से हमने उसकी विशेषताओं के बारे में बात करना शुरू किया और हमने उसे उसके असंप्रेषणीय, वे जिनमें हम साझा नहीं कर सकते, और उसके संप्रेषणीय गुणों में विभाजित किया। उनकी असंप्रेषणीय विशेषताएँ, जिनमें हम साझा नहीं करते, सबसे पहले, उनकी अस्मिता शामिल है। हमने उनकी एसिटी के बारे में बात की।

वह स्वयं का है। वह किसी से प्राप्त नहीं होता और सब कुछ उससे प्राप्त होता है। इसलिए, हमारा जीवन उससे प्राप्त होता है।

हमारे बारे में सब कुछ व्युत्पन्न है और हम उस पर निर्भर हैं। जिसने हमें यह महान जीवन दिया है, वह हमारी प्रशंसा के योग्य है, उसकी सहायता के योग्य है। हमने उनके शाश्वत के संचारी गुणों के बारे में बात की।

एक सच्चाई के रूप में, मैंने यह बात कही, कुछ है, कुछ है। आप जानते हैं, ऐलेन और मैं हर सुबह हमारी पूजा करते हैं और हम आह्वान में कहते हैं, भगवान को धन्यवाद दें और भगवान हमारे होंठ खोलें, इत्यादि। तब परमेश्वर का धन्यवाद करो, और पिता, और पुत्र, और पवित्र आत्मा की महिमा करो, जैसा आदि में था, अब भी है, और सर्वदा होता रहेगा।

यह हमारी सुबह की पूजा का हिस्सा है। पाप की स्वीकारोक्ति के अलावा, मैंने दूसरे दिन के बारे में बात की। और इसलिए ईश्वर, उस भौतिकवादी के विपरीत है जो कहता है कि पदार्थ है।

हमने कहा कि पदार्थ है, बाइबल सिखाती है कि ईश्वर ने सब कुछ बनाया और वह पदार्थ स्वयं ही निर्माता को दर्शाता है क्योंकि यह बहुत सूक्ष्मता से व्यवस्थित है। यह बहुत ही सटीक कानूनों से भरा हुआ है। मैं भजन 8 में इस पर आऊंगा। एक नास्तिक के रूप में आइंस्टीन ने कहा था कि जो समझ से परे है, वह समझ में आने योग्य है।

दूसरे शब्दों में, उसका तार्किक, प्रतिभाशाली दिमाग उन नियमों को समझ सकता था जिनके द्वारा वह काम करता था। तो, यदि यह बस है, तो यह समझ से परे है कि ये कानून, यह बुद्धिमत्ता कैसे अस्तित्व में आई, यदि कोई बुद्धिमान प्राणी नहीं है। यह एक गहरा बयान है।

यह समझ से परे है कि इसे कैसे समझा जा सकता है। यह इसमें निर्मित हो गया है। पॉल कहेगा, सृष्टि उसकी शाश्वत प्रकृति और उसकी शाश्वत शक्ति को दर्शाती है।

आप इसे देख सकते थे. और वह कहता है कि इसे न देखने के लिए तुम्हें अंधा होना पड़ेगा। तब परमेश्वर तुम्हारी स्तुति न करने के कारण तुम्हें दोषी न ठहराएगा, परन्तु वह तुम से अलग हो जाएगा।

उसकी उपस्थिति आपसे दूर हो गई है. वह तुम्हें वही सौंप देगा जो तुम स्वाभाविक रूप से हो, अर्थात् व्यभिचारी और समलैंगिक। वह तुम्हें तुम्हारे पाप के हवाले कर देगा।

वह हमसे अपना हाथ खींच लेता है और हम मृत्यु के लोक में प्रवेश कर जाते हैं। तो, तब हम पृष्ठ 65 पर उनके संप्रेषणीय गुणों के साथ काम कर रहे थे। और हमने कहा कि वे मूल रूप से वहां पाए गए थे, ये प्रमुख गुण सुनहरे बछड़े के संबंध में पाए जाते हैं, भगवान की महिमा को खत्म करने और घास खाने वाले की पूजा करने का भयानक पाप, शौच कर रहा बैल।

अविश्वसनीय। और परमेश्वर में नैतिक आक्रोश है और वह क्रोध से भर गया है और खुद को इन लोगों से छुटकारा दिलाना चाहता है। और मूसा कहता है, हमारे साथ चलो।

मैं तुम्हारे बिना आगे नहीं बढ़ सकता. मुझे अपनी महिमा दिखाएं। और वह आगे बढ़ सकता है इसका कारण यह है कि उसके गुण दयालु, कृपालु, सहनशील, अमोघ प्रेम और पूर्ण निष्ठा भी हैं।

और वे गुण बलिदान प्रणाली की कृपा, यीशु मसीह की कृपा प्रदान करते हैं ताकि उनकी कृपा हमारे सभी पापों से अधिक हो। और यद्यपि हम व्यभिचार करते हैं या हमने जीवन में जो कुछ भी किया हो या हमने जीवन में जो भी पाप किया हो, ईश्वर क्षमा करता है और वह हमारे साथ है। और हम पापी भी जो कोई हमें आशीर्वाद देगा, वह धन्य होगा।

यह अद्भुत कृपा है, सभी प्रशंसा के योग्य है। पृष्ठ 66, ईश्वर का स्तुतियोग्य दूसरा पहलू यह है कि वह अतुलनीय है। और देवताओं के बीच पवित्रता, शक्ति, बुद्धि और अनुग्रह में कोई भी उनके समान नहीं है।

तो आपके पास ये श्लोक हैं, देवताओं में आपके समान कौन है? या फिर, वह देवताओं का राजा है। वह देवों का देव, देवों का देव, इत्यादि, अतुलनीय है। लेकिन हम उससे क्या समझते हैं? जब यह कहता है, देवताओं में वही तेरे समान है, तो क्या यह सिखाता है कि अन्य देवता भी हैं? और यही बात अक्सर कही जाती है जब वह कहते हैं, अन्य देवता भी हैं।

और आप इसे आमतौर पर पाते हैं, वह राजाओं का राजा, देवताओं का भगवान, भगवानों का भगवान है। और ऐसा प्रतीत होता है कि अन्य देवता भी हैं। 10वीं आज्ञा की सबसे पहली आज्ञा, आपके पास कोई अन्य ईश्वर नहीं होगा इससे पहले कि मैं मान लूं कि कोई अन्य ईश्वर हो सकता है।

तो, हम एकेश्वरवाद के साथ क्या करते हैं? और तुलनात्मक धर्म में क्या होता है, वे कहते हैं कि इज़राइल इस बिंदु पर हेनोथिज़्म के बिंदु पर आ गया था। कहने का तात्पर्य यह है कि इसकी शुरुआत जीववाद से हुई, कि ये देवता पूरी प्रकृति और जानवरों, पेड़ों और अन्य सभी चीज़ों में मौजूद थे। और फिर वे व्यक्तित्व और हवा के देवताओं और बारिश के देवताओं, पानी के नीचे के देवता, तूफान के देवता, इत्यादि में अधिक अमूर्त हो गए।

और तुम बहुदेववाद पर पहुँच जाओगे। वह ईश्वर बहुदेववाद के पीछे प्रकृति और एक व्यक्तिगत अस्तित्व का मिश्रण है। अगला चरण हेनोथिज़्म है जहाँ आप मानते हैं कि अन्य देवता हैं, लेकिन आप केवल एक ईश्वर की पूजा करते हैं।

ग्रीक में मुर्गी का यही अर्थ है। एक ईश्वर है जिसकी आप पूजा करते हैं, लेकिन अन्य ईश्वर भी हैं। और फिर अंततः आप वहाँ पहुँचते हैं जहाँ आप अन्य सभी देवताओं को खारिज कर देते हैं, आप यशायाह तक पहुँचते हैं, इत्यादि।

कोई अन्य देवता नहीं हैं और आप एकेश्वरवाद में समाप्त हो जाते हैं। तो, डेविड और उसके भजनों के ये कथन धर्म के उस चरण का प्रतिनिधित्व करते हैं जहाँ मूसा हेनोथिज़्म का था। मैं इसे स्वीकार नहीं करता।

मैं यह स्वीकार नहीं करता कि यह मान्यता है कि वास्तव में अन्य देवता भी हैं। जैसा कि मैं इसे समझता हूँ, हमें धार्मिक कथनों और धार्मिक आदेशों के बीच अंतर करना होगा। व्यवस्थाविवरण 4.39 में धार्मिक कथन कहता है कि कोई अन्य ईश्वर नहीं है।

धार्मिक वास्तविकता यह है कि लोग उन चीज़ों की पूजा करते हैं जो देवता नहीं हैं। वे लोगों के लिए भगवान हैं। वे वास्तव में देवता नहीं हैं, लेकिन यह एक धार्मिक वास्तविकता है।

तो, वे उन्हें घर लेते हैं। वहाँ घंटियाँ हैं और केल्विन कहेगा, मेरा मन प्रतिदिन देवताओं का निर्माण कर रहा है, पूजा करने के लिए कुछ और है जो उससे दूर ले जाया है। तो, हम वास्तव में अन्य देवताओं की पूजा करते हैं, लेकिन वे वास्तव में मौजूद नहीं हैं।

तो धार्मिक कथन यह है कि कोई अन्य देवता नहीं है। यह पवित्रशास्त्र की स्पष्ट शिक्षा है। लेकिन वास्तविकता यह है कि लोग दूसरे देवताओं की पूजा कर रहे हैं।

यही समस्या थी। पौलुस ने कुरिन्थियों से कहा, हम जिनके पास ज्ञान है वे जानते हैं कि कोई अन्य देवता नहीं है, लेकिन जो लोग ज्ञान के बिना हैं वे अन्य देवताओं की पूजा कर रहे हैं। हमें उनका ख्याल रखना होगा क्योंकि हम जो काम करते हैं उससे वे ठोकर खा सकते हैं।

इसलिए, मुझे लगता है कि धार्मिक आदेशों से धार्मिक कथनों को अलग करना बेहतर व्याख्या है। तो मैं यही सुझाव देता हूँ कि हम जो अतुलनीय के बारे में बात करते हैं उसके बारे में सोचें। वह उन सभी चीज़ों से अतुलनीय है जिनकी अन्य लोग कल्पना कर सकते हैं।

इसकी या प्राचीन लोग जिनकी पूजा करते थे, जो मूर्तियाँ थीं, उनकी कोई तुलना नहीं है। हम संख्या 65 में आई एम के ऊँचे निवास और स्वर्ग में उसके शासन के बारे में बात करते हैं। जैसा कि मैंने पहले कहा, आपको ऐसा करना होगा, जब हम स्वर्ग में और सिंहासन पर बैठे भगवान के बारे में बात करते हैं, तो हम भगवान के बारे में जो कुछ भी कहते हैं वह आलंकारिक होता है।

ईश्वर आत्मा है। यह एक और आयाम है जिसका हमने कभी अनुभव नहीं किया है। हम इसके बारे में केवल अपने अनुभव से ही बात कर सकते हैं क्योंकि हमने इसे जाना है।

आप गर्भ में पल रहे एक अजन्मे बच्चे को प्रकाश, वायु, सृष्टि की सुंदरता का वर्णन कैसे करेंगे? सब मालूम है पानी है, अंधेरा है। आप इसका वर्णन कैसे करते हैं? आपको रूपक का उपयोग करना होगा। कुछ, मुझे नहीं पता कि यह कैसा है, लेकिन आपको कुछ ऐसी चीज़ का उपयोग करना होगा जो गर्भ में बहुत अच्छी हो।

वो ठीक रहेगा। और कुछ ऐसा जो बहुत बुरा है, लेकिन किसी तरह आपको रूपक का उपयोग करना होगा। इसलिए जब भी हम भगवान के बारे में बात करते हैं तो एक तरह का एहसास होता है।

तो, वे भगवान के बारे में बात करते हैं। हमें ऐसा करना होगा, जैसे कि ब्रह्मांड की उनकी समझ में, जो त्रिपक्षीय था। तो, उनके पास ऊपर स्वर्ग था और उनके पास पृथ्वी थी और उनके पास पृथ्वी के नीचे पानी था।

इसलिए, वे ईश्वर का वर्णन उस दुनिया के संदर्भ में करते हैं जिसे वे अपने समय में देख रहे थे। इसलिए, वे ईश्वर की कल्पना उसकी अन्यता और हर चीज़ पर उसके शासन, हर चीज़ पर उसकी सर्वज्ञता को समझने के लिए करते हैं। उनके ब्रह्माण्ड विज्ञान में इसे स्वर्ग में सिंहासन पर बैठे भगवान के रूप में दर्शाया गया है।

लेकिन यह ऐसा है मानो आप इसे आगे नहीं बढ़ा सकते, कि वहाँ वास्तव में क्रूस पर चढ़ने जैसा है, ठीक है, हम वहाँ चढ़ान पर चढ़ गए और हमने चारों ओर देखा और हमें यहाँ कोई भगवान नहीं दिखा। आप देखिए, वह इसे शाब्दिक रूप से ले रहा था, वास्तव में इसका मज़ाक उड़ा रहा था। लेकिन ऐसे बहुत से ईसाई हैं जो इससे लड़खड़ा सकते हैं क्योंकि हम जानते हैं कि हमारे पास दूसरे ग्रहों पर जाने वाले रॉकेट हैं।

आपको बाइबिल की दुनिया के भीतर इसके आलंकारिक अर्थ को समझना होगा। और भाषण के उन अलंकारों में, यह हमें ईश्वर के बारे में सिखा रहा है। तो, इसलिए, मैं सुझाव दे रहा हूँ कि आपने इसे शाब्दिक रूप से आगे बढ़ाया होगा क्योंकि हम आत्मा के बारे में बात कर रहे हैं।

यही एकमात्र तरीका है जिससे मैं इसे समझ सकता हूँ। मुझे उम्मीद है कि उससे आप मदद मिलती है। इससे मुझे मदद मिलती है।

ठीक है। तो वह सबसे श्रेष्ठ है। वह सबसे ऊँचा है।

इसलिए, वह कहता है, मैंने स्वर्ग में उसका सिंहासन स्थापित किया है और उसकी महिमा हर चीज पर राज करती है। तो, यह कहने का एक तरीका है कि वह शासन करता है। वह हर चीज़ का प्रभारी है।

कोई दुर्घटना नहीं होती. अपनी सर्वज्ञता की दमनकारी छवि, वह अपने स्वर्गीय सिंहासन से पृथ्वी पर देखता है, जहाँ से पूरी दुनिया उसके चरणों में है। वह नीचे होने वाली हर चीज़ को अपनी घूरती आँखों से देखता है।

तो यह उसकी सर्वज्ञता का प्रतिनिधित्व करने का तरीका है। यह सत्य है जिसे ईश्वर का प्रतिनिधित्व करने वाली बाइबिल की दुनिया में इस तरह से प्रस्तुत किया जा रहा है। वह प्रकृति का निर्माता और संरक्षक है।

इसलिए, उसने न केवल सब कुछ बनाया, बल्कि वह हर चीज़ का पालन-पोषण भी करता है। और जब वह अपना हाथ हटा लेगा तो उसका अस्तित्व समाप्त हो जायेगा। नए नियम में, यह मसीह है जो सभी चीज़ों का भरण-पोषण करता है, कुलुस्सियों 1. भजन 104, सभी प्राणी इस उचित मौसम में उन्हें अपना भोजन देने के लिए आपकी ओर देखते हैं।

जब तुम उन्हें यह देते हो, तो वे उसे इकट्ठा कर लेते हैं। जब आप अपना हाथ खोलते हैं, तो वे अच्छी चीज़ों से भरे होते हैं। जब तुम अपना चेहरा छिपाते हो तो वे निराश हो जाते हैं।

जब आप उनकी सांसें छीन लेते हैं, तो वे मर जाते हैं और अपनी मिट्टी में लौट जाते हैं। जब आप अपनी आत्मा भेजते हैं, तो वे निर्मित होते हैं और आप पृथ्वी का नवीनीकरण करते हैं। तो यह कहने का एक तरीका है कि जब एक नया जीवन दुनिया में आता है, तो भगवान उसकी रचना है।

और आप इसे अपनी आत्मा से नवीनीकृत करते हैं। फिर से, गुंकेल कहते हैं, और मुझे लगता है कि यह सही है। आम तौर पर दुनिया के प्राचीन काल के अवलोकन में कोई फर्क नहीं पड़ता है, चाहे घटनाएँ संरक्षण की हमारी अवधारणा से संबंधित हों या वास्तविक रचना से संबंधित हों।

प्रत्येक नई घटना एक नई रचना के रूप में सामने आती है। यहोवा अन्धियारे को भोर में और दिन को अन्धियारा करके रात में बदल देता है। वह भोर में तारों को व्यवस्थित करता है।

वह तारों को नाम से बुलाता है, बर्फ़ और बर्फ़ और खासकर बारिश उसी से आती है। वह पृथ्वी को हिला देता है। वह जल को पृथ्वी पर उण्डेलता है।

वह अभी भी तेज बाढ़ की गर्जना को रोक रहा है। संक्षेप में, वह ऐसे महान कार्य करता है जिनकी आवश्यकता नहीं होती और ऐसे चमत्कार करता है जिनकी गिनती नहीं की जा सकती। और फिर, वह स्वयं को संपूर्ण सृष्टि में अभिव्यक्त करता है।

तो, इसे चित्रित करने के लिए, पूरी चीज़ उनकी रचना की अभिव्यक्ति है। प्रकाश भगवान का आवरण है. बादल, उसका रथ, हवा और आग की लपटें, उसके दूत।

वह पृथ्वी के ऊंचे स्थानों पर चढ़ाई करता है। यदि भूकंप आता है, तो इसका कारण यह है कि प्रभु ने इसे देखा। यदि पहाड़ों से धुआं निकलता है, तो इसका कारण यह है कि प्रभु ने उन्हें छुआ है।

जब ऋतु परिवर्तन के कारण संसार में जीवन और मृत्यु का प्रवेश होता है, तो इसका कारण यह है कि भगवान ने अपनी जीवनरक्षक सांस ली और छोड़ी है। हिब्रू कवि एक गीत के रूप में क्षेत्रों के सामंजस्य का प्रतीक है जिसे आकाश भगवान का सम्मान करने के लिए गाता है। अतः वह सृष्टि में स्वयं को अभिव्यक्त करता है।

जब हम सृष्टि को देखते हैं तो हमें स्वयं ईश्वर को देखना चाहिए। उसका सब पर, मानवता पर प्रभुत्व है। और मैं तुम्हें वहां सामग्री देता हूं।

इसमें कहा गया है कि भजन में दैवीय कृत्य के दोनों पक्षों का बिल्कुल विपरीत वर्णन करना पसंद है। यहोवा मारता है और जिलाता है। वह अधोलोक तक ले जाता है और ऊपर ले जाता है।

यहोवा गरीबों और अमीरों को बनाता है। वह नम्र करता है और ऊंचा उठाता है। मुद्दा यह भी है कि हम नहीं जानते थे कि असंप्रेषणीय और संप्रेषणीय गुणों को एक साथ चलना होगा।

क्योंकि यदि ईश्वर सर्वशक्तिमान होता और कोई उस पर अंकुश नहीं लगा सकता, तो वह निरंकुश हो सकता था। लेकिन क्योंकि वह वफादार और दयालु है, वह एक परोपकारी निरंकुश है, यदि आप उस शब्द का उपयोग करना चाहते हैं, तो एक परोपकारी राजा है। दूसरी ओर, यदि उसके पास दया और अनुग्रह के संचारी गुण होते, तो उनमें कोई शक्ति नहीं होती।

वे प्रभावी नहीं हो सकते, लेकिन क्योंकि वह सर्वशक्तिमान है, वह अपनी दया का प्रयोग कर सकता है। इसलिए, आपको दोनों को एक साथ रखना होगा क्योंकि वफादारी हमें गारंटी देती है कि ईश्वर निरंकुश नहीं है। दूसरी ओर, वह सर्वशक्तिमान है, यह हमें आश्चस्त करता है कि वह अपनी कृपा और दया को आगे बढ़ाने में सक्षम है।

इसलिए, हमें उन्हें एक दूसरे के साथ संतुलन में रखने की आवश्यकता है। नंबर सात उसका प्यार और उसकी वफादारी है। ये दो प्राथमिक हैं, प्रेम प्राथमिक गुण है जिसे पुराने नियम और भजन की पुस्तक में मनाया जाता है।

यह हिब्रू शब्द हेस्ड, एचईएसई डी है। केवल पहला अक्षर आपने इसमें थोड़ा फ्रिकेटिव डाला है। यह हेस्ड है। इसलिए, मुझे याद है कि पहले वर्ष में एक दिन जब मैं हिब्रू पढ़ रहा था और मैं एच और एच के बीच अंतर करने की कोशिश कर रहा था। इसलिए मैंने उसी समय उपस्थिति के बारे में पूछा, और एक छात्र को बुलाया।

उन्होंने कहा कि यह हेस्ड शब्द है। हेस्ड शब्द का अर्थ है उस व्यक्ति में जो कुछ भी दयालु और प्रेमपूर्ण है, उसमें से असहायों की मदद करना। किंग जेम्स इसका 13 शब्दों में अनुवाद करता है।

यह शब्द एक रिश्ते को दर्शाता है। ऐसे दो लोग हैं जिनके बीच एक रिश्ता है। वे भागीदार हैं।

एक व्यक्ति को सख्त जरूरत है, और कमजोर पक्ष को सख्त जरूरत है और वह अपनी मदद नहीं कर सकता। वे जरूरतमंद हैं और अपनी मदद नहीं कर सकते। जो मजबूत व्यक्ति जरूरत को पूरा कर सकता है, वह आगे आता है और प्यार, दया, चाहे जो भी हो, से उस जरूरत को पूरा करता है, दबाव से नहीं, आत्म-प्रेरणा से नहीं, इससे कुछ भी प्राप्त करने से नहीं, सिर्फ प्यार से।

इसीलिए इसका अनुवाद किंग जेम्स में अमोघ प्रेम से किया गया है। तो, इसका एक अच्छा उदाहरण जोसेफ है। कुछ समय के लिए उसने मिस्र से अपनी पहचान बना ली थी।

उसे लगा कि उसके परिवार ने उसे त्याग दिया है। उसने एक मिस्री पत्नी से विवाह किया था। उसने अपने बच्चों का नाम मिस्र के नाम पर रखा।

वह स्थिर होने लगा। खैर, मेरे घर पर कोई परिवार नहीं है। उन्होंने मुझे बस बेच दिया।

इसलिए, उसने मिस्र से अपनी पहचान बनानी शुरू कर दी। लेकिन जब उसने परिवार को दोबारा देखा, तो उसने भगवान की कृपा देखी। अब वह पूरी तरह से अपने पिता से जुड़ा हुआ है।

और उसने अपने भाई से कहा, जब वह मर जाए, तो यही वह वस्तु है जो तू मुझे दिखाना। तू मेरी हड्डियों को इब्राहीम, इसहाक, शकेम तक ले जाएगा, और तू मुझे मेरे पिता की भूमि में मिट्टी देगा। वह खुद को दफन नहीं कर सकता।

वह बिल्कुल असहाय है। जो काम वह नहीं कर सकता, उसे करने के लिए वह पूरी तरह से उन लोगों पर निर्भर है जो जीवित हैं। और वे ऐसा अपने भाई के प्रति प्रेम के कारण करते हैं।

इससे आपको एक विचार मिलता है। एक अन्य उदाहरण रूथ होगा। और रूथ हेस्ड की यह जबरदस्त कहानी है।

वह अपने मृतक मैकलान के प्रति पूरी तरह वफादार थी। वह मोआब में मर गया। वह सन्तान के बिना मर जाता है।

वह समृद्धि या किसी सामाजिक स्मृति के बिना मर जाएगा। और वह विश्वास से वापस आती है। रूथ ने उससे कहा था, नाओमी ने उससे कहा था, तुम्हारा यहाँ कोई भविष्य नहीं है, लेकिन अपने लोगों, मेरे लोगों, अपने भगवान, मेरे भगवान को जानो।

उसे भगवान पर भरोसा था। वह वापस चली गई और अंततः इस महान व्यक्ति, बोअज़ ने उससे शादी कर ली। और वह उससे कहता है, जब बिस्तर पर दृश्य था, तो उसने कहा, यह उसकी इच्छा थी कि वह नाओमी के साथ लौट आई, लेकिन आपकी दूसरी झिझक थी कि आप अपने पति के परिवार के प्रति वफादार रहें।

आप पैसे के पीछे नहीं गए. नवयुवकों, तुम सेक्स के पीछे नहीं गए। आप परिवार के प्रति वफादार थे और आप परिवार का उद्धार करना चाहते थे।

आपकी दूसरी हिचकिचाहट, आपके मृतक के प्रति आपकी दूसरी वफादारी आपकी पहली से अधिक है। और उस बच्चे को मैकलान के नाम से जन्म दिया जाना था, लेकिन ईश्वर की कृपा से, बोअज़ की दयालुता के महान कार्य के कारण, बोअज़ का नाम प्रभु यीशु मसीह के मसीहाई वंश में आ गया। लेकिन उसकी वफादारी अपने मृत पति के प्रति थी जिसके बच्चे नहीं हो सकते थे।

तो, वह उसके नाम पर बच्चे पैदा करेगी। यही उसकी हिचकिचाहट है. तो हेसद वह जगह है जहां आप ऐसी स्थिति में हैं कि आप पूरी तरह से निराश हैं।

भगवान की हमसे झिझक यही है कि हम यहां हैं। वह इब्राहीम के प्रति वफादार रहा है. उन्होंने इब्राहीम के प्रति प्रतिबद्धता जताई।

उसने इसहाक से प्रतिबद्धता की। उसने याकूब से वादा किया कि तुम्हारा बीज पृथ्वी को आशीर्वाद देगा। और हम यहाँ हैं.

भगवान की कृपा से हम यहां हैं। वह अपनी वाचा के वादों के प्रति वफादार रहे। और यह गारंटी है कि वह मृत्यु में भी हमारे प्रति वफादार रहेगा, कि उसकी हिचकिचाहट के कारण हम मृत्यु पर विजय प्राप्त करेंगे।

और फिर हमारे पास है, इसलिए मैं आपको गुंकेल से बहुत सारे छंद देता हूं। मैं अब और नहीं पढ़ूंगा. अब मैं कुछ और मुश्किल में पड़ गया हूं।

पृष्ठ 68 पर, यह सृष्टि के समय ईश्वर के पिछले कार्यों का महिमामंडन करता है। और यहां मैं इसके साथ संघर्ष कर रहा हूं कि जिस तरह से यह प्राचीन निकट पूर्वी मिथकों का उपयोग करके सृष्टि में भगवान की महिमा करता है। सृष्टि का वर्णन बुतपरस्त मिथकों के संदर्भ में किया गया है।

इसलिए, उदाहरण के लिए, बेबीलोनियों के प्रमुख मिथक को एनुमा इलिश , एनुमाएलिश कहा जाता था, जब देवता एनुमा इलिश थे । सृजन की कहानी यह है कि आपके पास एक तियामत था, एक राक्षस जिसका प्रतिनिधित्व पानी करता था। मर्दुक महान नायक था और उसने राक्षस का वध किया।

उस राक्षस से उन्होंने पृथ्वी का निर्माण किया। यही मिथक है. इसे कैओस काम्फ कहते हैं, यानी यह अराजकता है।

एक लड़ाई थी और लड़ाई वीर भगवान और अराजकता का प्रतिनिधित्व करने वाले इस राक्षस के बीच थी। वीर भगवान ने अराजकता को हराया और अराजकता से ब्रह्मांड का निर्माण किया। यह सब व्यक्तित्वों की पौराणिक कथाओं में है।

दूसरे शब्दों में, यह उत्पत्ति 1 के समान है। जैसा कि मैं उत्पत्ति 1 को समझता हूँ, आप शुरुआत करते हैं, पृथ्वी अंधेरे और पानी में थी। यह अराजकता है। और इसे कहा जाता है, वास्तव में इसके लिए हिब्रू शब्द तियामत, तेहोम है, बल्कि इसकी गहराई तेहोम है, जो तियामत के बराबर है, लेकिन यह पूरी तरह से मिथकीकृत है।

यह बस वहाँ एक तेहोम है, वहाँ एक गहराई है, वहाँ एक गहराई है। भगवान ने प्रकाश बनाया और अंधेरे पर विजय प्राप्त की और उन्होंने अराजक जल पर विजय प्राप्त की। तो, भगवान ने अंधकार और अराजकता पर विजय प्राप्त की और उन्होंने इसे प्रकाश के माध्यम से किया।

तो, यह केवल तथ्य का एक बयान है। लेकिन कवि इसका वर्णन करते हैं, जैसा कि हमारे पास उत्पत्ति 1 में है, जो गद्य है, लेकिन वे कवि हैं और वे मानवीकरण का उपयोग करते हैं। वे बुतपरस्त मिथकों का उपयोग ईश्वर की महानता दिखाने के एक तरीके के रूप में करते हैं कि वह वही है जिसने अराजक राक्षस पर विजय प्राप्त की, यदि आप चाहें।

और इसलिए, यह कुछ-कुछ मिल्टन या यूं कहें कि पैराडाइज़ लॉस्ट की तरह है, वह ग्रीक पौराणिक कथाओं का उल्लेख करेगा। वह ज़ीउस के बारे में बात करेंगे। वह अय्यूब के बारे में बात करेगा।

वह बृहस्पति के बारे में बात करेंगे। हम सभी जानते हैं कि वह ऐसा नहीं मानते, लेकिन यह कवियों द्वारा अपने विचारों को संप्रेषित करने के लिए आलंकारिक भाषा का उपयोग करने का एक तरीका है। इब्रानी कवि सृष्टि में ईश्वर की महानता दिखाने के लिए उन बुतपरस्त मिथकों का उपयोग करने में सुरक्षित महसूस करते हैं।

यह भी एक प्रकार का विवाद है। यह बाल नहीं था जिसने यह किया। यह मर्दुक नहीं था जिसने यह किया।

यह प्रभु, हमारा ईश्वर था, उसने ही अराजकता पर काबू पाया और इसे बदल दिया। जब तक हम इसे नहीं समझते, बुतपरस्त पौराणिक कथाओं को दिखाने के लिए विद्वानों के पास बहुत सारे प्रयोग हैं। और मैंने कहा, नहीं, यह कविता है।

वे इसका उपयोग कर रहे हैं। वे सुरक्षित महसूस करते हैं। हम सभी जानते हैं कि इन देवताओं का अस्तित्व नहीं है, लेकिन यह हमारे भगवान की महानता और उसके द्वारा इसे बनाने के तरीके का वर्णन करता है।

इसलिए, मैं कहता हूँ, वे बुतपरस्त कल्पना का उपयोग करते हैं जैसे मर्दुक और अराजकता के खिलाफ यह लड़ाई, थियोमर के साथ मर्दुक। इसका उपयोग युगैरिटिक पाठ में भी किया गया है। और यह न केवल में पाया जाता है, यह प्राचीन निकट पूर्व और उनके सभी मिथकों में पाया जाता है।

यह एक अराजक लड़ाई है। और उगारिटिक पाठ में, सृजित भगवान बाल है। वह तूफान और बिजली का देवता है, जैसा कि मैंने कल कहा था।

और वह मिथकों के एक सेट में लड़ता है, वह यम, जो कि समुद्र है, के खिलाफ लड़ता है। तो, आपके पास बिजली, बारिश और जीवन का देवता है जो समुद्र से लड़ रहा है, जो अराजकता का प्रतीक है। समुद्र तुम्हारी फसलें नष्ट कर देगा।

आप वहां मौजूद नहीं रह सकते। जबकि तुम्हें वर्षा के साथ बाल की आवश्यकता है जो तुम्हें फसल प्रदान करता है। इसलिए, वे इसे बाल और समुद्र के बीच युद्ध के रूप में चित्रित करते हैं।

या एक और मिथक है मृत्यु के विरुद्ध बाल। तो यह पृष्ठभूमि है। या अन्य अराजक देवता राहब या लेविथान हो सकते हैं।

तो आप राहाब के बारे में बाइबिल पढ़ रहे हैं और ज्यादातर लोग नहीं जानते कि राहाब कौन है और लेविथान कौन है, लेकिन वे इन मिथकों में अराजकता के देवता हैं। ये पौराणिक भ्रम केवल कविता में होते हैं और कविता में जीवंतता और रंग भर देते हैं। वे बुतपरस्त देवताओं के खिलाफ एक विवाद के रूप में भी कार्य करते हैं।

बुतपरस्त देवताओं के लिए जिम्मेदार उदात्तताएं, वास्तव में, आई एम से संबंधित हैं। तो यहाँ आपके पास है, उदाहरण के लिए, भजन 74, लेकिन ईश्वर बहुत पहले से मेरा राजा है। वह पृथ्वी पर मोक्ष लाता है।

तू ही ने अपनी शक्ति से समुद्र को चीर डाला। देखिये, ऐसे ही नहीं कहा जाता, ज़मीन सामने आने दो। यह एक लड़ाई है।

उसने तेरी शक्ति से समुद्र को चीर डाला। तुमने जल में राक्षसों, उन अराजक शक्तियों के सिर तोड़ दिये। इस प्रकार, वह अपने खिलाफ अराजक ताकतों के इन मिथकों का जिक्र कर रहे हैं।

तू ही ने लिब्यातान के सिरों को कुचल डाला, और जंगल के प्राणियों का आहार कर दिया। तू ही ने सोते और झरने खोले। तूने सदा बहने वाली नदियों को सुखा दिया।

दिन भी तुम्हारा और रात भी तुम्हारी। आपने सूर्य और चंद्रमा की स्थापना की। तू ही ने पृथ्वी की सारी सीमाएँ स्थिर कीं।

तूने गर्मी और सर्दी दोनों बनाई। तो, यह आप ही हैं जिन्होंने अराजकता की ताकतों को हराया है। इसे इस जीवित भाषा में रखा गया है, लेकिन यह कविता है।

आप यह नहीं कह सकते। वस्तुतः एक राहब और एक लेविथान है। यह अराजकता की ताकतों पर काबू पाने का प्रतिनिधित्व करने का एक तरीका है।

फिर, यह 89 से है। आपके समान कौन है सर्वशक्तिमान ईश्वर का स्वामी, आप सर्वशक्तिमान ईश्वर, और आपकी निष्ठा आपको घेरे रहती है। आप उफनते समुद्र पर शासन करते हैं, जब उसकी लहरें उठती हैं, तब भी आप उन पर शासन करते हैं।

देखिये समुद्र अराजकता का प्रतीक है। वे किसी परिदृश्य कलाकार के माध्यम से समुद्र में किसी भी रोमांटिक तरीके से नहीं आए या मुझे समुद्र में फिर से आकाश में एकांत समुद्र में नहीं ले गए। उसे चलाने के लिए मुझे एक लंबा जहाज और एक सितारा दीजिए।

समुद्र के बारे में उनकी कोई रोमांटिक धारणा नहीं थी। यह अराजकता थी और वे समुद्र से डरते थे। तो, यह दर्शाता है कि जीवन का क्या विरोध है।

तो, वह कहता है, आप उफनते समुद्र पर शासन करते हैं, जब उसकी लहरें उठती हैं, तब भी आप उन पर शासन करते हैं। तू ने अपने बलवन्त हाथ से रहब को स्पेनियों के समान कुचल डाला, और अपने शत्रुओं को तितर-बितर कर दिया। स्वर्ग भी तुम्हारा है और पृथ्वी भी तुम्हारी है।

तू ने जगत् और उस में जो कुछ है, उसकी स्थापना की। या आपको एक और तुलना देने के लिए, यह युगेरिटिक पाठ के किसी एक पाठ, पहली पंक्ति की तुलना है। यह टेढ़े-मेढ़े अजगर, सात सिरों वाले शक्तिशाली अजगर के बारे में बात करता है।

यह यशायाह है। उस दिन, परमेश्वर एक ऐसी तलवार के साथ दौरा करेगा जो बहुत शक्तिशाली, महान और शक्तिशाली है, एक ऐसी तलवार के साथ जो शक्तिशाली और महान और शक्तिशाली है। लेविथान, दुष्ट साँप, यहाँ तक कि लेविथान, टेढ़ा साँप, समुद्र के राक्षस को मार डालता है।

इसलिए, यह इस तरह की भाषा का उपयोग करता है। यह ऐसा है जैसे मैं कहता हूँ कि मिल्टन या एक अंग्रेजी कवि ग्रीक पौराणिक कथाओं का उल्लेख करेंगे। हिब्रू कवि यह समझाने के लिए बुतपरस्त पौराणिक कथाओं का उल्लेख करते हैं कि ईश्वर कौन है और वह इन बुतपरस्त देवताओं से बड़ा है।

मुझे इस तरह की कठिन सामग्री पर एक और लेख देने दीजिए, लेकिन मुझे लगता है कि इसे संभालना चाहिए। मुझे लगता है कि यह लोगों को भ्रमित करता है। इसमें कहा गया है, हार्वर्ड में लेविथान, मेसोपोटामिया और कनान दोनों में समुद्र व्यवस्था का सबसे बड़ा दुश्मन था।

इसकी हार, इसे वश में करना, इस पर काबू पाना। उत्पत्ति 1 में वस्तुतः आपके पास यही है। वह रसातल और समुद्र पर विजय प्राप्त करता है। इसकी हार सृष्टि में आवश्यक तत्व थी और विजयी ईश्वर को राजात्व और अपने स्वयं के महल या मंदिर का अधिकार प्राप्त हुआ।

वह बुतपरस्त मिथकों में था। जब वे जिस भगवान की पूजा करते थे, उसने समुद्र पर विजय प्राप्त कर ली, जिसे भगवान के रूप में दर्शाया गया था, तब वह विजयी भगवान आदेश को सुरक्षित करने के लिए एक महल या मंदिर के रूप में भगवान के लिए एक महल का निर्माण कर सकता था। तो, सृजन, राजसत्ता और मंदिर इस प्रकार एक अविभाज्य त्रय बनाते हैं।

समुद्र का नियंत्रण उनकी शाश्वत वैधता का निरंतर प्रमाण है। तो, इसे भजन 93 में रखा गया है। मुझे नहीं लगता कि आप इस भजन को बिना किसी पृष्ठभूमि के समझ सकते हैं कि सृजन, राजसत्ता और मंदिर की यह अवांछनीय त्रिमूर्ति खतरे में है।

शुरुआत में ऐसा ही था। वास्तव में, ईश्वर ने आज समुद्र पर विजय प्राप्त की है, यह इस बात का प्रमाण है कि वह सृष्टि को कायम रखता है और बनाए रखता है। यहाँ भजन 93 है, प्रभु राज करता है।

वह ऐश्वर्य का वस्त्र धारण किये हुए है। प्रभु महिमा का वस्त्र पहने हुए हैं और शक्ति से सुसज्जित हैं। सचमुच, संसार दृढ़ और सुरक्षित स्थापित है।

दूसरे शब्दों में, भगवान सर्वशक्तिमान हैं और उनकी शक्ति से दुनिया दृढ़ और सुरक्षित रूप से स्थापित है। अब बात आपकी गद्दी की। तुम्हारी गद्दी बहुत पहले स्थापन हुई थी।

आप अनंत काल से हैं। लेकिन अब ध्यान दें कि क्या खतरा है। समुद्र ऊपर उठ गया है, प्रभु!

समुद्र ने उनकी आवाज बुलंद कर दी है। समुद्र ने अपनी तेज़ लहरें उठा ली हैं। महान जल के गर्जन से भी अधिक शक्तिशाली, समुद्र को तोड़ने वालों से भी अधिक शक्तिशाली, ऊँचे स्थान पर प्रभु शक्तिशाली है।

वह सभी खतरों पर विजय प्राप्त करता है और वह ताकत से ओत-प्रोत है। ध्यान दें कि इसका अंत कैसे होता है। हे प्रभु, तेरी विधियाँ दृढ़ बनी रहें।

पवित्रता आपके घर को अनंत दिनों तक सुशोभित करती है। वहाँ हमारे पास सृष्टि, राजत्व, मंदिर है, और यह ईश्वर ही है जिसने यह सब किया है। और इसलिए यह इस पृष्ठभूमि का ज्ञान है जो हमें भजनों को इस तरह समझने में मदद कर सकता है।

भजन 29 संभवतः बाल के लिए एक भजन को अपनाता और अपनाता है। बाल तूफ़ान का देवता है। भजन सुनो, दाऊद का भजन.

हे स्वर्गीय प्राणियों, प्रभु को श्रेय दो, महिमा और शक्ति को प्रभु को मानो। प्रभु को श्रेय दो, उसके नाम की महिमा करो। प्रभु की पवित्रता की महिमा में उसकी आराधना करें।

प्रभु की वाणी गड़गड़ाहट है। प्रभु की वाणी जल के ऊपर है। भूमध्य सागर के बारे में सोचो.

महिमामय परमेश्वर अपनी शक्ति से गरजता है। यहोवा विशाल जल के ऊपर गरजता है। प्रभु की वाणी शक्तिशाली है.

प्रभु की वाणी राजसी है. वही गड़गड़ाहट है. यहोवा की वाणी देवदारों को तोड़ देती है।

यहोवा लबानोन के देवदारों को टुकड़े टुकड़े कर देता है। लेकिन ध्यान दें कि तूफान कहां जा रहा है। यह लेबनान में है, लेबनान देश में।

वह बाल पूजा का केंद्र है। तो, वह भूमध्य सागर से आने वाले तूफान को देखता है। वह तूफान में, गरजती हुई गड़गड़ाहट में, चमकती बिजली में ईश्वर की शक्तिशाली शक्ति को देखता है।

यह सब ईश्वर की महान शक्ति का प्रतिनिधित्व करता है जैसे वह आगे बढ़ता है। तब वह लबानोन को बछड़े की नाई उछालता है, और अराम को जवान जंगली बैल के समान उछालता है। प्रभु की वाणी बिजली की चमक के साथ चमकती है।

प्रभु की वाणी रेगिस्तान को हिला देती है। यहोवा कदीश के रेगिस्तान को हिला देता है। दूसरे शब्दों में, तूफान अब भूमध्य सागर से बाहर आ गया है।

तूफान अब लेबनानी पहाड़ों के ऊपर से गुजर रहा है। वह लबानोन के गौरवशाली और शक्तिशाली देवदारों को चूर-चूर कर देता है। देवदार उस चीज़ का प्रतिनिधित्व करते हैं जो शक्तिशाली और राजसी हैं।

भगवान इसे तूफान में तोड़ देता है, और पूरी तरह से चकनाचूर कर देता है। लेकिन अब तूफान खत्म हो रहा है। कदीश लेबनान विरोधी पहाड़ों के पूर्व की ओर है।

इस प्रकार यहोवा कदीश मरुभूमि को हिला देता है। प्रभु की आवाज ओक को मोड़ देती है और जंगल को नंगा कर देती है और उसके मंदिर में सभी महिमा गाते हैं। प्रभु जलप्रलय पर विराजमान हैं।

प्रभु सदैव के लिए राजा के रूप में विराजमान हैं। यहोवा अपने लोगों को शक्ति देता है। प्रभु अपने लोगों को शांति का आशीर्वाद देते हैं।

इसलिए, वह तूफान में भगवान की महान शक्ति को देख सकता था। यह बाल देश के बिल्कुल मध्य में होता है। यह हमें आश्चर्य करने के लिए है कि शक्ति का यह परमेश्वर ही वह परमेश्वर है जो हमारे साथ है।

यहीं इसका अंत होता है। यहोवा अपने लोगों को शक्ति देता है। तो यह थोड़ा अधिक कठिन है, लेकिन फिर भी भजन संहिता के एक पाठ्यक्रम में मुझे लगा कि हमें इस कठिन सामग्री में से कुछ को संभालना चाहिए।

अब हम पृष्ठ 71 पर जाते हैं, ईश्वर की स्तुति जिसने अतीत में अपने लोगों का नेतृत्व किया जब वह अपने लोगों के साथ रहता था। यहां कोई पाठ उद्धृत नहीं किया गया है, लेकिन यह ईश्वर अपने लोगों के साथ है, निर्गमन में अपने लोगों के साथ उनकी उपस्थिति है, और भूमि की विजय और निपटान में उनकी उपस्थिति है। गंकेल की टिप्पणी है कि ऐतिहासिक प्रक्रिया में भगवान के अपने लोगों के साथ होने के इतिहास के इस विचार का बेबीलोनियाई और मिस्र के साहित्य में कोई समकक्ष नहीं है।

अब हम यह जोड़ सकते हैं कि उगारिट में इसका कोई समकक्ष नहीं है। बुतपरस्त साहित्य में, इतिहास के कहीं जाने का कोई विचार नहीं है। उनका पूरा विचार हर साल पृथ्वी का पुनर्निर्माण करना है, लेकिन इतिहास का कोई मतलब नहीं है।

कोई शुरुआत नहीं है। इसका कोई अंत नहीं है। इसमें कोई चरमोत्कर्ष नहीं है, बुराई पर धार्मिकता की कोई जीत नहीं है।

इतिहास का कोई आध्यात्मिक बिंदु नहीं है, इसके पीछे कोई वास्तविकता नहीं है। यहीं पर बाइबिल स्वयं को अलग करती है। इसलिए, भजन इस्राएल के इतिहास का जश्न मनाते हैं, उस युग की ओर देखते हुए जब प्रभु सार्वभौमिक रूप से शासन करेंगे और धार्मिकता कायम होगी।

प्राचीन निकट पूर्व में ऐसा कुछ नहीं है। तो, आपके पास ये बाहरी प्रतीक हैं जहां वे बुतपरस्त पौराणिक कथाओं का उपयोग करते हैं। लेकिन जैसा कि हेनरी फ्रैंकफोर्ट ने कहा, बाइबल के धर्मशास्त्र का बुतपरस्त साहित्य से कोई संबंध नहीं है। इसका एक बाहरी रूप है, लेकिन एक बहुत अलग धर्मशास्त्र है।

यह भजन की पुस्तक पर अपने शिक्षण में डॉ. ब्रूस वाल्टके हैं। यह सत्र संख्या 8 है, भजन, धर्मशास्त्र, हेसेड, सृजन, राजत्व और मंदिर।